क्षयरोग

आओ परिचय तुम्हें करायें, कितनी घातक ये शैतान,
इस संक्रामक बीमारी के क्या, कारण, लक्षण और परिणाम ।
20 लाख से अधिक प्रभावित, भारत में इससे है अनुमान,
क्षयरोग, यक्ष्मा, राजरोग, और तपेदिक इसके नाम ।
फेफड़े का दुश्मन ये, दुष्ट रोग भी है उपनाम,
कारण इसके एक है बस, जो है यक्ष्मा दण्डाणु ।
लक्षण भी जानो तो अच्छा, जो कर दे तुमको सावधान,
सुनो गौर से ये सब है, खाँसी, ज्वर और थकान ।
रुधिर युक्त कफ और वक्ष दर्द, यह कर देते है परेशान,
सजग हो जाओ इतने पर भी, नही तो घातक है परिणाम ।
संदेह अगर हो लक्ष्ण से, वनो नहीं अब तुम अंजान,
स्पूटम जाँच और वक्ष एक्सरे, यह सब कर दे आसान ।
घबराने की नहीं जरुरत, यदि निकले भी घनात्मक परिणाम,
मानसिकता से सबल रहो, डाट्स चिकित्सा से है निदान ।
छः से आठ महिने दवा का सेवन, और पाओ पौष्टिक आहार,
स्वच्छ आवास में रहो हमेशा एवं करो नित्य व्यायाम ।
बी. सी. जी. का टीका हो या फिर कोई दवा का नाम,
कालमेट, गुरीन और राबर्ट कॉच, मिलकर करो इनका गुणगान ।
उन्मूलन में उन्नतिशील है, कितने संस्था और अनुसंधान,
प्रमुख है इनमें बेंगलूर का, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान ।

*** राजीव कुमार झा**

* अवर श्रेणी लिपिक, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बेंगलूर